7, 8 मार्च 2020 आरगेनिक होली

ऑरगैनिक इको फ्रेन्डली रंग निर्माण

राष्ट्रीय सेवा योजना और जूलोजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में प्रकृति से उपलब्ध रंगों से होली मिलन समारोह मनाया गया NSS के स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० तबस्सुम बानो के निर्देशन में स्वयंसेवकों ने मंदिर तथा पूजा स्थलों से फूलों को एकत्र करके सूखा कर रंगों का निर्माण किया। इससे सिंथेटिक तथा कृत्रिम रंगों से होने वाले नुकसान के प्रति स्वयंसेवकों तथा विद्यार्थियों ने जागरूक किया।

इस अवसर पर डॉ. अंजलि गुप्ता डॉ प्रीति रंजन, डॉ नजीर अख्तर, डॉ. मसूद अहमद आदि मौजूद थे।

जिला मुख्यालय के मंदिरों से स्वयंसेवकों द्वारा एकत्र किए गए फूलों से रंग बनाने का काम करते जूलाजी विभाग में विद्यार्थी।

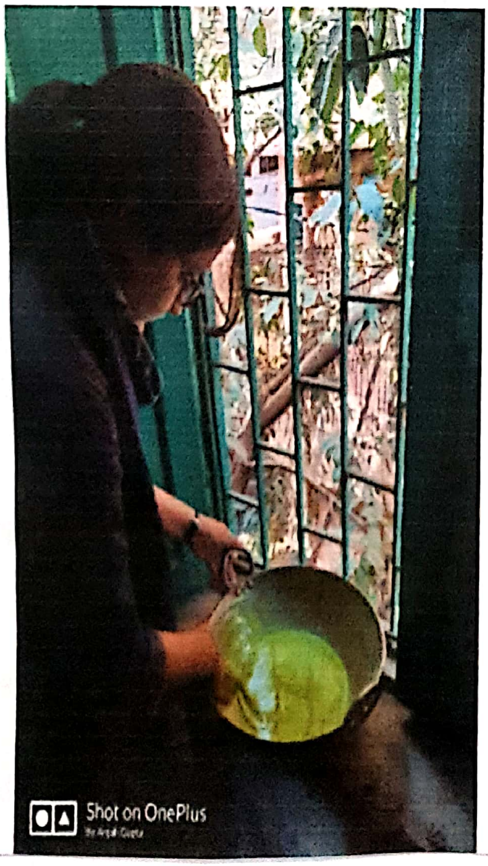

पेड़ के पत्तों से हरे रंग को बनाती NSS स्वयंसेविका अनामिका सिंह

फूलों से रंग बना कर खेली होली

जासं, आरा: वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का एचडी जैन कॉलेज शनिवार को अद्भुत होली मिलन के रंग का गवाह बना। प्राकृति के साथ अनमोल तालमेल बनाकर विश्वविद्यालय को सतरंगी इंद्रधनुष में रंग दिया। मिठाई से मुंह मीठा कराया गया और एक दूसरे को मुबारकवाद दी गई। शहरी लाइफ स्टाइल का नमोनिशान तक नहीं। सभी ने प्राकृति से अनमोल रिश्ते बनाएं। कॉलेज की छात्राएं एवं छात्रों ने फूलों से रंग एवं खुशबू से कॉलेज के समूचे आंगन में सुगंध फैला दिया। होली के इंद्रधनुषी रंग में न केवल एचडी जैन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार ओझा रंगे, बल्कि इसकी सुगंध से कुलपति प्रो देवी प्रसाद तिवारी भी समाहित हुए। मोहल्ले के मंदिर से देव-देवियों को चढ़ाए हुए फूल यूं ही बेकार नहीं हो, उनकी रंगों को जिंदा रखा जाए इसे लेकर जंतु विभाग की प्रो अंजली गुप्ता के साथ स्नातकोत्तर सेमेस्टर सेकेंड के विद्यार्थियों ने एक खास योजना बनाई। इसमें 10 छात्र-छात्राओं का दम ने काफी रंग लाया। पायल सिंह, अनामिका सिंह, श्रेया कात्यानी, गौतम कुमार, रविशंकर, अभिषेक राज, रजनीश, धीरज, हरीश और निखिल ने योजना को मूर्त रूप देने में जबर्दस्त कमाल किया। एनएसएस के हरीश और निखिल ने पुलिस लाइन के मंदिर से फूल लाए, जो अक्सर बाहर कूड़ेदान में डाल दिया जाता है। छात्र-छात्राओं ने गेंदा और गुलाब के लाल फूलों से लाल रंग निचोड़कर निकाल ली। उसमें हल्की हल्दी और नींबू का रस डालकर चटक लाल बना दिया। पालक और नीम के पत्ते का पेस्ट बनाकर उसमें आरारोट मिलाकर सुखाया और उसे पीसकर हरा रंग बना दिया। पीला रंग के लिए गेंदा फूल के रस को निकाल दिया। हमारी होली में केमिकल वाले रंग खलल डाले नहीं।

जैन कॉलेज में गेंदा व गुलाब के फूल से रंग बनाकर होली खेलते छात्र- छात्राएं • जागरण

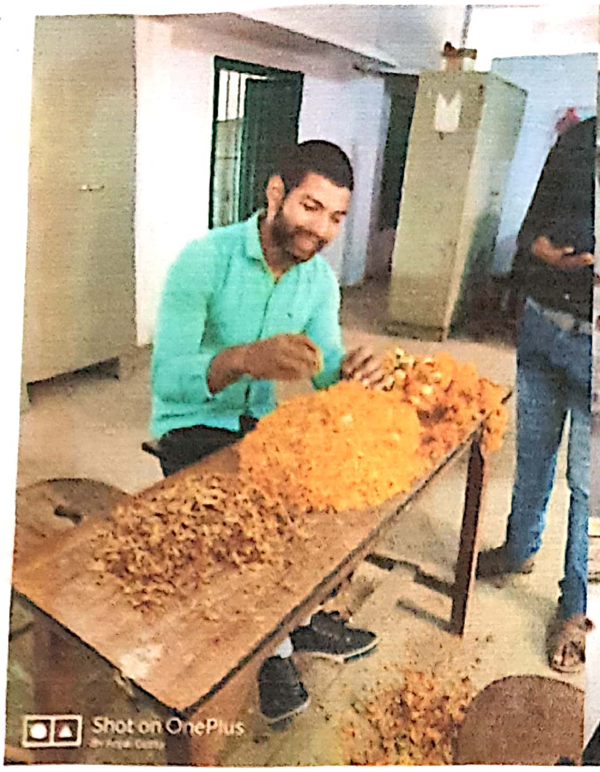
Shot on OnePlus

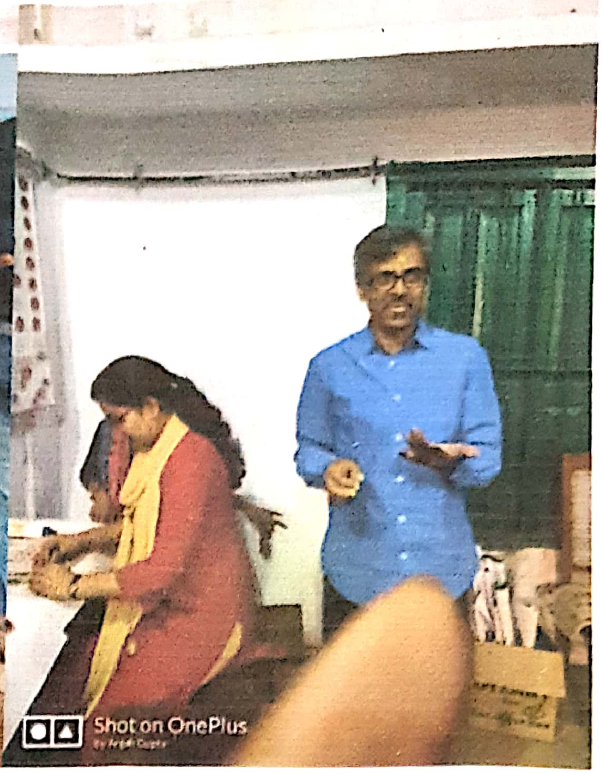
Shot on OnePlus